सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 167 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

आप नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम

कोर्ट से... 8 | 2024 के चुनाव का मढ़ने लगा... 3 | बीरेन सिंह के सीएम रहते मणिपुर... 7

आपका शरीर भूत में रहता है और आपका मन भविष्य में रहता है। योग में वे दोनों वर्तमान में साथ आ जाते हैं।
-बी. के. एस. आयंगर

4PM के यूट्यूब चैनल ने बनाया इतिहास, करोड़ों लोगों ने देखा पहुंचा देश में चौथे स्थान पर

» डाटा बिंग्स के नये आंकड़ों में 4PM देश में चौथे स्थान पर पहुंचा

» 12 लाख से अधिक सब्सक्राइबर के साथ लगातार सफलता के गाड़ रहा झंडे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डाटा बिंग्स के ताजा सर्वे ने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि **4PM** यूट्यूब का सबसे ज्यादा लोकप्रिय चैनल है। सत्ता और देश की सच्चाई दिखाने वाला **4PM** न्यूज चैनल आए दिन सफलता की नई बुलंदियों को छू रहा है। **4PM** दिन पर दिन यूट्यूब की दुनिया में अपना एक अलग मुकाम स्थापित कर रहा है। तभी तो **4PM** का झंडा पूरे देश में ऊंचा हो रहा है और **4PM** का नाम हर किसी की जुबान पर सर चढ़कर बोल रहा है। ये सब संभव हो पा रहा है सिर्फ उसके सच दिखाने और आज के समय में सत्ता से सवाल करने की काबिलियत की वजह से।

इसीलिए लोग इस चैनल को अधिक से अधिक देख रहे हैं और पसंद कर रहे हैं। 4PM की लगातार बढ़ती लोकप्रियता का ही नतीजा है कि वर्तमान समय में 4PM को देश के अन्य राजनीतिक खबरों से जुड़े चैनलों से ज्यादा देखा जा रहा है। तभी तो यूट्यूब पर व्यूज के मामले में कई दिग्गज लोगों को पीछे छोड़ते हुए यूट्यूब पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले चैनलों में 4PM ने चौथे स्थान पर पहुंच कर इतिहास रच दिया है। लगातार लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ रहे 4PM ने देखते-देखते यूट्यूब पर अपने 1 मिलियन यानी

कई दिग्गज यूट्यूब चैनलों को छोड़ा पीछे

कि 10 लाख सब्सक्राइबर पूरे कर लिए। ये लोगों के प्यार और 4PM द्वारा दिखाई जाने वाली सच्ची खबरों का ही नतीजा है कि सिर्फ 15 दिनों में ही 4PM ने 10 लाख से 11 लाख तक का सफर इतनी आसानी से पूरा कर लिया। वर्तमान समय में 4PM के सब्सक्राइबरों की संख्या 12 लाख के भी पार पहुंच चुकी है।

संजय शर्मा के शो और डिबेट को देखते हैं लाखों लोग

यहां तक पहुंचने के पीछे काफी लंबा संघर्ष और कड़ी मेहनत लगी है। 4PM के संपादक संजय शर्मा ने काफी मेहनत से 4PM को अपनी टीम के सहयोग से इस स्तर तक पहुंचाया है। 4PM की इस लोकप्रियता में संपादक संजय शर्मा का सुबह छः बजे के शो 'पॉलिटिकल बात संजय शर्मा के साथ' का एक बड़ा योगदान है। शो को हर रोज लाखों लोग देख रहे हैं। इसके अलावा जहां कई बड़े-बड़े दिग्गजों की डिबेट को सिर्फ हजारों में व्यूज मिलते हैं, वहीं संजय शर्मा की शाम की डिबेट को रोजाना लाखों लोग देखते हैं और पसंद करते हैं। तो वहीं चैनल की अन्य खबरों को भी लोगों के द्वारा भारी संख्या में देखा जा रहा है। तभी तो आज 4PM कई बड़े-बड़े लोगों व चैनलों से आगे निकल आया है।

15 दिनों में एक लाख सब्सक्राइबर और 4PM से जुड़ गए।

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (June 2023)
Excl. mainstream media. View count as of Jul 23 for Jun uploaded videos only
databeing

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	DB live	87.8	13%	16	The Deshbhakt	16.3	2%
2	Ravish Kumar Official	52.9	8%	17	Harish Burnwal	13.2	2%
3	CAPITAL TV	48.3	7%	18	newslaundry	11.9	2%
4	4PM	41.0	6%	19	String	11.0	2%
5	Dhruv Rathee	35.5	5%	20	Pyara Hindustan	10.4	2%
6	The Live Tv	35.0	5%	21	Bharat Samachar	9.6	1%
7	Abhisar Sharma	32.2	5%	22	Saksh Joshi	8.6	1%
8	National Dastak	30.7	5%	23	AKTK (Aaj Ki Taaza Khabar)	6.5	1%
9	Punya Prasun Bajpai	29.5	5%	24	Sushant Sinha	6.4	1%
10	Satya Hindi	28.4	4%	25	Satya Sanatan	5.2	1%
11	Ajit Anjum	25.3	4%	26	HDV News	4.7	1%
12	The News	23.0	4%	27	The Sham Sharma Show	4.6	1%
13	Ulta Chasma uc	22.2	3%	28	Harsh V. Tripathi	4.5	1%
14	The Jaipur Dialogues	22.0	3%	29	Knocking News	4.3	1%
15	Article19India	21.0	3%	30	The Manish Thakur Show	3.9	1%
					Total		100%

कई बार की गई 4PM की आवाज को दबाने की कोशिश

हालांकि, 4PM ने यहां तक पहुंचने में कई मुश्किलों का सामना किया है। योंकि वर्तमान समय में सा से सवाल करना किसी भी मीडिया संस्थान या पत्रकार के लिए काफी मुश्किल है। ऐसे वत में आए दिन सा से सवाल करना और देश के हुमरानों पर सवाल उठाना 4PM के लिए भी काफी मुश्किलें भरा रहा है। 4PM और संजय शर्मा की आवाज को दबाने का सा द्वारा कई बार प्रयास भी किया गया। संजय शर्मा के विरुद कई एजेंसियां लगायी गयीं। झूठी शिकायतों पर जांच करायी गयी, लेकिन संजय शर्मा नहीं डरे और 4PM को लेकर इसी तरह से सा से सवाल करते रहे और अभी भी उनके सा से सवाल जारी हैं। कई बार 4PM के चैनल को भी सरकार द्वारा बंद कराया गया, ताकि वो इसके जरिए सच को दबा सकें। लेकिन यहां भी सरकार को सिर्फ निराशा ही हाथ लगी। योंकि वो 4PM और संजय शर्मा के हौसलों को जरा भी नहीं हिला पाए। आज नौबत ये आ गई है कि 4PM ने यूट्यूब की दुनिया में अपना झंडा गाड़ दिया है।

आप सांसद संजय सिंह पूरे सत्र के लिए राज्यसभा से निलंबित

» मणिपुर हिंसा पर चर्चा व पीएम मोदी के जवाब की कर रहे थे मांग

» आम आदमी पार्टी ने फैसले को बताया लोकतंत्र पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद अब लगभग साढ़े चार महीने बाद एक बार फिर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया गया है और गुनाह फिर पीएम मोदी और सरकार से सवाल करना है। दरअसल, आज मानसून सत्र में संसद की कार्यवाही के दौरान विपक्ष मणिपुर हिंसा पर चर्चा व पीएम मोदी के जवाब देने की मांग कर रहा था। इस बीच आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी इसी बात को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। सरकार से सवाल करना आप सांसद को भारी पड़ गया। क्योंकि संजय सिंह को सदन की कार्यवाही बाधित करने के कारण पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा सभापति ने कहा कि संजय सिंह ने बार बार मना करने के बाद भी सदन की कार्यवाही को बाधित किया, इसलिए उन्हें पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित किया जाता है। राज्यसभा सभापति ने ये कार्यवाई पीयूष गोयल की शिकायत पर की।

मणिपुर हिंसा पर चर्चा की कर रहे थे मांग

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मणिपुर हिंसा पर चर्चा को लेकर सा पक्ष और विपक्ष में हंगामा शुरू हो गया। भारी हंगामे के बीच सभापति ने राज्यसभा में प्रश्नकाल शुरू कराया। प्रश्नकाल के अभी चार उर ही दिए जा सके थे कि मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर संजय सिंह नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन के समीप जा पहुंचे। सभापति की ओर से चेतावनी देने के बावजूद संजय सिंह अपने स्थान पर नहीं गए और मणिपुर हिंसा पर चर्चा कराए जाने की मांग और नारेबाजी करते रहे। जिसके बाद राज्यसभा के सभापति ने संजय सिंह को निलंबित कर दिया।

आप ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण, लीगल टीम से लेंगे सलाह

आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने संजय सिंह के निलंबन पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी लीगल टीम इस मामले को देखेगी। संजय सिंह को निलंबित करने के खिलाफ विपक्षी दलों के नेता राज्यसभा के सभापति से मिल रहे हैं। वहीं आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने संजय सिंह को सदन से निलंबित कर दिया है। यह सही नहीं है, यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सदन स्थगित होने के बाद हम सभापति के पास गए और उनसे इस निलंबन को रद्द करने का अनुरोध किया।

प्रदेश को पिछड़ा और बीमारू बनाने में लगी भाजपा सरकार : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- राज्य के कई जिलों में बढ़ रहा डेंगू, सरकार खामोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर हमला बोलने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं। इस बीच उन्होंने एक बार फिर भाजपा की योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश को पिछड़ा और बीमारू बनाने में लग गई है। आंकड़ों की बाजीगरी में नागपुर से मिली झूठ की ट्रेनिंग ही दिखाई पड़ती है। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों डेंगू का प्रकोप बढ़ने लगा है। मच्छरों के लार्वा को समाप्त करने का अभियान नहीं चल रहा है। भाजपा सरकार तब चेतेगी जब अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ जाएगी और कुछ की जान पर आ बनेगी।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि ग्रामीण इलाकों में संक्रामक बीमारियां फैल रही हैं। किसानों की नष्ट हुई फसलों का कोई मुआवजा नहीं मिला है। भाजपा के संरक्षित लोग अवैध खनन और पेड़ों के कटान का धंधा खुलेआम कर रहे हैं। पौधरोपण का झूठा डंका पीटा जा रहा है। सरकार ने दावा किया है कि 6 वर्ष में 137 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। इसमें से कितने जीवित है, किसी को नही पता।

बहुत महंगी पड़ रही है बीजेपी सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने टमाटर के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। सरकार पर तंज कसते हुए सपा प्रमुख ने ट्वीट किया कि महंगे टमाटर पर भाजपा की एक मंत्री की सलाह ये है कि टमाटर छोड़ दो। महंगी तो भाजपा सरकार भी बहुत पड़ रही है। बाकी जनता समझदार है।

यूपी से बाहर भी लड़ने के लिए 'इंडिया' से सीटें मांगेगी सपा

समावेशी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से समाजवादी पार्टी यूपी से बाहर कई राज्यों में सीटें मांगेगी। इसके लिए शुरुआती दौर की बातचीत भी चल रही है। इस बीच पार्टी के महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने इस संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। उनसे इंडिया के तहत महाराष्ट्र में दो लोकसभा सीटें लेने की बात रखी। सपा नेता अबू आजमी ने कहा कि मुंबई के साउथ सेंट्रल में हम गठबंधन के तहत अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। इसलिए हमने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मांग की कि वह अगस्त में मुंबई में होने वाली इंडिया के बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएं। अगर विपक्षी गठबंधन ने हमें दो सीटें दी तो हम वहां बेहतर परिणाम देंगे।

अजित पवार के बचाव में आए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। विधायकों को फंड आवंटित करने के मामले में अब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपने साथी उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार के समर्थन में उतर आए हैं। अजित पवार का बचाव करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य विधानमंडल में पेश की गई पूरक मांगों में विकास कार्यों के लिए विधायकों को धन आवंटित करते समय अजित समर्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) विधायकों को कोई तरजीह नहीं दी गई है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा और शिवसेना विधायकों को भी फंड दिया गया है। यह कहना सही नहीं है कि केवल अजित पवार समर्थकों को ही धन आवंटित किया गया है। पवार ने सोमवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 41,243 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें पेश कीं। अनुपूरक मांगें सरकार द्वारा बजट मांगों पर मांगी जाने वाली अतिरिक्त धनराशि हैं। फडणवीस का स्पष्टीकरण उन मीडिया रिपोर्ट के बाद आया, जिनमें कहा गया था कि पवार ने विधायकों के लिए पूरक मांगों में 1500 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

मणिपुर पर चर्चा से भाग रहा विपक्ष : अनुराग ठाकुर

» उद्धव ठाकरे के सरकार पर हमले का केंद्रीय मंत्री ने दिया जवाब

» पालघर में साधुओं की हत्या पर उद्धव के पास नहीं था कोई जवाब: ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर से महिलाओं का नग्न वीडियो सामने आने के बाद से देश में सियासत काफी गरमाई हुई है। विपक्ष जहां पूरे मामले को लेकर सरकार पर हमलावर है और मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह समेत देश के गृहमंत्री और प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांग रहा है, तो वहीं सरकार विपक्ष पर मणिपुर मामले को लेकर चर्चा न करने का आरोप लगा रहा है। इसी को लेकर अब केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्ष के हमलों पर पलटवार किया है।

अनुराग ठाकुर की प्रतिक्रिया उद्धव ठाकरे के बयानों पर आई है। उद्धव ने कहा था कि पीएम मोदी को इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। इसी पर पलटवार करते हुए अनुराग ने कहा कि जब उद्धव ठाकरे सीएम थे तो वह पालघर में साधुओं की निर्मम हत्या पर जवाब नहीं दे सके। वह चर्चा के लिए भी तैयार नहीं थे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज सरकार जवाब देने के लिए तैयार है और विपक्ष मणिपुर पर चर्चा से भाग रहा है। सदन की कार्यवाही से भाग रहा है। विपक्ष की क्या मजबूरी है कि वे खबरों में बने रहना चाहते हैं, लेकिन इस पर चर्चा नहीं करना चाहते। इससे पहले अनुराग ठाकुर ने मणिपुर से वायरल हो रहे वीडियो को लेकर कहा था कि महिलाओं के खिलाफ कोई भी अत्याचार या घटना दुखद है। यह राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे उनके खिलाफ अपराध को कम करें। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के साथ-साथ यह समाज का भी कर्तव्य है कि वह भी इस दिशा में काम करे।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा का दावा, मैं न होता तो जेल में होते सीएम गहलोत

» बोले- मुझे अपनी सफाई पेश करने का नहीं मिला मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में अपनी ही सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के बर्खास्त करने का मामला पर जोर पकड़ता जा रहा है। एक ओर राज्य में विपक्ष की भूमिका में बैठी भाजपा इस मामले को लेकर राज्य की गहलोत सरकार पर हमलावर है। तो अब वहीं बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोला है। गुढ़ा ने कहा कि अगर वह नहीं होते तो अशोक गहलोत जेल में होते। लेकिन उन्हें बर्खास्त करने से पहले सफाई का भी मौका नहीं दिया गया।

झुंझुनू जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गुढ़ा ने कहा कि अगर राजेंद्र गुढ़ा नहीं होते तो मुख्यमंत्री जेल में होते। एक 'लाल डायरी' का जिक्र करते हुए गुढ़ा ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौर के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री के निर्देश पर 'लाल डायरी' को सुरक्षित रखा था।

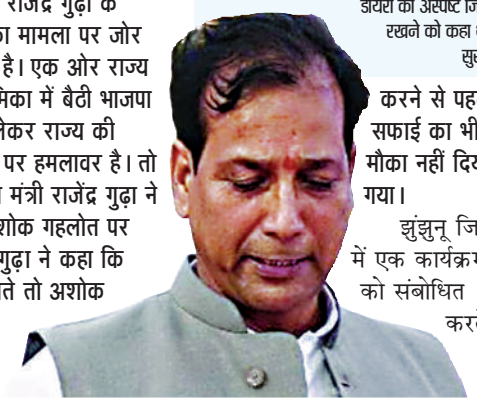

मुझसे इस्तीफा देने को कहा होता तो मैं दे देता : गुढ़ा

सैनिक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा, पंचायती राज और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रहे गढ़ा को विधानसभा में कानून और व्यवस्था पर राज्य सरकार को घेरने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार शाम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहने के बजाय सीधे बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर आपने (गहलोत ने) मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहा होता तो मैं इस्तीफा दे देता। आपको फोन करना चाहिए था और नोटिस देना चाहिए था। गुढ़ा ने कहा कि न्यायाधीश भी कार्रवाई से पहले एक मौका देते हैं। उन्होंने एक लाल रंग की डायरी का अस्पष्ट जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत ने उनसे एक डायरी सुरक्षित रखने को कहा था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कहने पर उन्होंने डायरी सुरक्षित रख ली थी। उन्होंने यह भी पूछा कि डायरी में क्या है।

मध्य प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

» पार्टी के प्रदेश प्रभारी बीएस जून ने कहा- जनता चाहती है भाजपा-कांग्रेस का विकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर सभी सियासी दलों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। ऐसे में अब अरविंद केजरीवाल की आम आम आदमी पार्टी ने भी मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है।

आप के मध्य प्रदेश प्रभारी बीएस जून ने भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी पूरी मुस्तैदी से चुनाव की तैयारी में जुटी है। प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर हम चुनाव लड़ेंगे और चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी करेगी।

आप के मध्य प्रदेश प्रभारी बीएस जून ने कहा कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर दी जाएगी। प्रत्याशी चयन में सिर्फ सर्वेक्षण ही टिकट देने का मापदंड होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के हर जिले में हम परिवर्तन यात्रा निकाल रहे हैं जिसका समापन चार अगस्त को होगा।

'प्रदेश की जनता आम आदमी पार्टी के साथ'

जून ने दावा किया कि 'परिवर्तन यात्रा' के दौरान लोगों का आम आदमी पार्टी के प्रति एक जुड़ाव दिख रहा है और हमें अपार जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का विकल्प चाहती है और उसे 'आप' विकल्प के तौर पर दिख रही है। दिल्ली से आप के विधायक जून ने कहा कि मध्य प्रदेश में हम बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी ने दावा किया कि मध्य प्रदेश में जनता आप के साथ है और पार्टी की मध्य प्रदेश में सरकार बनेगी। सरकार बनने के बाद दिल्ली की तरह ही मध्य प्रदेश में हम शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी की सुविधाएं लोगों को देंगे। प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में चारों ओर अराजकता का माहौल है। प्रदेश में भ्रष्टाचार के हर रोज नए-नए मामलों का खुलासा हो रहा है।

2024 के चुनाव का मढ़ने लगा रंग

- पक्ष-विपक्ष ने कसी कमर
- भाजपा की कांग्रेस को घेरने की तैयारी
- कांग्रेस मोदी सरकार को देगी टक्कर
- छत्तीसगढ़ में त्रिकोणीय हो सकता है मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश मे सियासत की बारिश तेज हो गई है। मणिपुर की घटना पर जहां भाजपा की सरकार पूरे विपक्ष के निशाने पर आ गई है तो बीजेपी वाले कांग्रेस शासित राज्यों को वहां कि कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे है। खैर इन सब बातों से एकबात तो साफ हो गई है 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर सभी दल सक्रिय हो गए है। खास तौर से विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में सियासी पार्टियां अपना झोला-डंडा फैलाने में लग गई है। जहां छत्तीसगढ़ व राजस्थान में कांग्रेस पुन: सत्ता बरकार रखना चाहती है तो मप्र में भाजपा फिर अपना मुख्यमंत्री देखना चाहती है। आने वाले चुनाव में यह देखने को मिलेगा कौन कितना किस पर हावी होता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए जहां बीजेपी-कांग्रेस अपनी रणनीति बनाने में जुटी हुई हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी ने राज्य की 90 सीटों में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दोनों पार्टियों की टेंशन बढ़ा दी है। आप पूरे प्रदेश में बदलाव यात्रा निकाल रही है। इस बदलाव यात्रा में आप, बीजेपी और कांग्रेस पर खुला हमला कर राज्य की जनता से एक मौका देने की अपील कर रही है। आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद एक सर्वे सामने आया है। इस सर्वे में यह बताया गया है आप के चुनाव लड़ने से बीजेपी और कांग्रेस किसे ज्यादा नुकसान होगा। एक सर्वे में लोगों से सवाल किया गया था कि आप के विधानसभा चुनाव लड़ने से बीजेपी या कांग्रेस किसे ज्यादा नुकसान होगा। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, लोगों का मानना है कि कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। हालांकि बीजेपी के नुकसान का भी दावा किया गया है।

भाजपा-कांग्रेस दोनों को होगा नुकसान

सर्वे के अनुसार, 41 फीसदी लोगों का मानना है कि आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने से कांग्रेस को नुकसान होगा। वहीं, 22 फीसदी लोगों ने कहा कि बीजेपी को नुकसान होगा। इस सर्वे में 15 फीसदी ऐसे भी लोगों हैं जिन्होंने सटीक जवाब नहीं दिया। लोगों का कहना कि उन्हें पता नहीं की आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने से किसी ज्यादा नुकसान होगा। जबकि 22 फीसदी लोगों का मानना है कि बीजेपी और कांग्रेस को नुकसान होगा।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ आवाज उठाएंगे : जेडीएस

कुमार स्वामी ने कहा मैं विधानसभा के अंदर और बाहर पहले ही कह चुका हूं, चूंकि भाजपा और जेडीएस दोनों विपक्षी दल हैं, इसलिए राज्य के हित में एक साथ काम करने का निर्णय लिया गया है। आज सुबह भी हमारी पार्टी के विधायकों ने चर्चा की कि हमें कैसे आगे बढ़ना है। बंगलूरू में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, विधायक दल की बैठक में देवगौड़ा ने सलाह दी है कि सभी नेताओं की राय लेने के बाद पार्टी संगठन के लिए और सभी 31 जिलों में इस (कांग्रेस) सरकार के कुकर्मों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सभी समुदायों के प्रतिनिधित्व के साथ 10 सदस्यीय टीम का गठन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि संसद चुनाव में अभी 11 महीने का वक्त है। देखते हैं संसद का चुनाव कब होता है। पार्टी को संगठित करने की सलाह दी गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि देवगौड़ा ने पार्टी के संबंध में कोई भी अंतिम निर्णय लेने के लिए मुझे अधिकृत किया है। बता दें कि मई में हुए 224 सदस्यीय विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को 135 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 66 और जेडीएस को 19 सीटें मिली थीं।

मध्य प्रदेश में शुरू हो गया रैलियों का दौर

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में होने वाले चुनाव को लेकर नेताओं के दौरे तेज हो गए हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 या 14 अगस्त को फिर मध्य प्रदेश आ सकते हैं। वे सागर में भारतीय जनता पार्टी के संत रविदास मंदिर निर्माण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अभी उनके दौरे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। बुंदेलखंड में दलितों को लुभाने के लिए भाजपा ने बड़ी तैयारी की है। सागर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सरकार संत रविदास का मंदिर सरकार बना रही है।

कर्नाटक में विपक्ष हुआ मजबूत जेडीएस-भाजपा आए साथ

बंगलूरू। जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने घोषणा की कि उनकी पार्टी ने राज्य के हित में विपक्ष के रूप में भाजपा के साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने उन्हें पार्टी के संबंध में कोई भी अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जेडीएस के राजग के साथ गठबंधन की संभावना की खबरों के बीच एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि इस बारे में बात करने के लिए संसद चुनावों में अभी समय है।

आप निकाल रही है बदलाव यात्रा

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अरविंद केजरीवाल छत्तीसगढ़ में दो सभाएं कर चुके हैं। पहले उन्होंने रायपुर में जनसभा को संबोधित किया था उसके बाद उन्होंने बिलासपुर में विशाल रैली को संबोधित किया था। अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान भी इस रैली में शामिल थे। अरविंद केजरीवाल ने प्रदेश की जनता से कई घोषणाएं की थीं। केजरीवाल ने अपनी सभा में बीजेपी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा था। बता दें कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ राजस्थान और मध्यप्रदेश में भी विधानसभा के चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी ने राजस्थान और मध्यप्रदेश में भी चुनाव लड़ने की घोषणा की है। आप लगातार कैंपेन कर रही है।

मणिपुर चर्चा से आखिर क्यों भाग रही सरकार

- संसद में 176 बनाम 267 पर संग्राम
- रूल 267 में राष्ट्रीय मुद्दों पर होती है चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के फॉर्मेट को लेकर गुरुवार को सरकार और विपक्ष के बीच ठन गई। सता पक्ष मणिपुर मामले पर छोटी बहस की मंजूरी चाहती है जबकि विपक्ष चाहता है सारे काम छोड़कर उसी पर चर्चा हो। इसी को लेकर संसद में सियासी दलों के बीच रार मची हुई है। विपक्ष कह रहा सरकार इस मुद्दे से भागना चाहती है इसलिए छोटी चर्चा करवा चाहती है। पर सरकार केअपने तर्क हैं कि बहुत काम करने हैं इसलिए मणिपुर मामले की जांच चल रही है सदन में अन्य कार्य निपटावए जाए। इसके कारण संसद के मानसून सत्र का पहला दिन बाधित हुआ। इस दौरान रूल 176 और रूल 267 का जिक्र आया। एक तरफ सरकार जहां छोटी अवधि की चर्चा के लिए सहमत हुई थी।

वहीं, विपक्ष ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नियम 267 के तहत सभी मुद्दों को निलंबित कर चर्चा के बाद स्वत: संज्ञान लें। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने अपने लिखित अनुरोध में कहा कि सरकार की विफलता के कारण मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था के टूटने पर चर्चा के लिए 21 जुलाई 2023 के लिए वह नियम 267 के तहत नोटिस देते हैं। राज्यसभा में सूचीबद्ध अन्य सभी कार्यकलापों के निलंबन के लिए यह प्रस्ताव है। क्या है नियम 267 जिसकी मांग विपक्ष ने मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए की है? दूसरी तरफ रूल 176 क्या है जिसके तहत सरकार छोटी अवधि की चर्चा के लिए तैयार है?

रूल 267 राज्यसभा सदस्य को सभापति की मंजूरी से सदन के पूर्व-निर्धारित एजेंडे को निलंबित करने की विशेष शक्ति देता है। दरअसल, संसद में एक सदस्य के पास मुद्दों को उठाने और सरकार से जवाब मांगने के कई तरीके होते हैं। प्रश्नकाल के दौरान सांसद किसी भी मुद्दे से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं। इसके तहत संबंधित मंत्री को मौखिक या लिखित उत्तर देना होता है। कोई भी सांसद शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठा सकता है। हर दिन 15 सांसदों को शून्यकाल में अपनी पसंद के मुद्दे उठाने की अनुमति होती है। कोई सांसद इसे विशेष उल्लेख के दौरान भी उठा सकता है। अध्यक्ष प्रतिदिन 7 विशेष उल्लेखों की अनुमति दे सकते हैं। सांसद राष्ट्रपति के भाषण पर बहस जैसी अन्य चर्चाओं के दौरान इस मुद्दे को सरकार के ध्यान में लाने का प्रयास कर सकते हैं। नियम 267 के तहत कोई भी चर्चा संसद में इसलिए बहुत महत्व रखती है क्योंकि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे पर चर्चा के लिए अन्य सभी कामों को रोक दिया जाता है। अगर किसी मुद्दे को नियम 267 के तहत स्वीकार किया जाता है तो यह दर्शाता है कि यह आज का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा है। राज्यसभा नियम पुस्तिका में कहा गया है, कोई भी सदस्य सभापति की सहमति से यह प्रस्ताव कर सकता है। वह प्रस्ताव ला सकता है कि उस दिन की परिषद के समक्ष सूचीबद्ध एजेंडे को निलंबित किया जाए। अगर प्रस्ताव पारित हो जाता है तो विचाराधीन नियम को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया जाता है। विपक्ष मणिपुर को लेकर इसी कारण रूल 267 के तहत चर्चा की मांग कर रहा है।

विपक्षी दलों ने कहा लंबी चर्चा हो

विपक्ष शिकायत कर रहा है कि नियम 267 के तहत उसके किसी भी नोटिस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए उसने दावा किया है कि सभापति धनखड़ ने संसद के पिछले शीतकालीन सत्र के दौरान आठ ऐसे नोटिसों को खारिज कर दिया था जब वे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की बढ़ती उपस्थिति पर चर्चा चाहते थे। टीएमसी के डेरेक ओब्रायन ने पहले कहा था कि 2016 में नोटबंदी के बाद नियम 267 के तहत किसी भी नोटिस की अनुमति नहीं दी गई है। यह पुराने ट्रेंड से अलग है जब ऐसे नोटिस स्वीकार किए गए थे।

नियम 176 में कम समय की होती है बहस

ध्यान देने वाली बात है कि केंद्र ने सोमवार को कहा था कि वह राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार है। सदन के नेता पीयूष गोयल भी बोले थे सरकार को इसमें कोई आपत्ति नहीं है। धनखड़ ने फिर कहा कहा था कि विभिन्न सदस्यों की ओर से नियम 176 के तहत मणिपुर के मुद्दों पर अल्पकालिक चर्चा की मांग की गई है। सदस्य मणिपुर के मुद्दों पर चर्चा में शामिल होने के इच्छुक हैं। इन चर्चाओं के तीन चरण होते हैं। एक, सदन का प्रत्येक सदस्य अल्पकालिक चर्चा के लिए नोटिस देने का हकदार होता है। उन नोटिसों पर उन्होंने विचार किया है। लेकिन, नियम के तहत उन्हें सदन के नेता से तारीख और समय की सलाह लेनी होगी। सवाल यह है कि नियम 176 क्या है? नियम 176 किसी विशेष मुद्दे पर अल्पकालिक चर्चा की अनुमति देता है, जो ढाई घंटे से ज्यादा नहीं हो सकती। इसके अनुसार, अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के मामले पर चर्चा शुरू करने का इच्छुक कोई भी सदस्य इस बारे में लिखित नोटिस दे सकता है। शर्त यह है कि नोटिस के साथ कारण बताया जाए। नोटिस को कम से कम दो अन्य सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए जो इसका समर्थन करते हों।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कानूनी प्रक्रिया में तकनीकी का प्रयोग लाभदायक

कानूनी प्रक्रिया में तकनीकी का इस्तेमाल न्याय दिलाने में लाभदायक है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कि तकनीक और कानून साथ-साथ प्रगति करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई चंद्रचूड़ ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के 60वें दीक्षांत समारोह में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कानूनी प्रक्रिया में जितना तकनीकि प्रयोग किया जाएगा व आमजन के न्याय को उसकी चौखट तक पहुंचा देगा। किसी हेयरिंग को वर्चुअली करने में भी लाभप्रद है। इसलिए कानून व तकनीकी को आपसी सामंजस्य बिठाकर काम करना चाहिए ताकि को कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि ऐसा कहा जाता है कि तकनीकी विकास की गति के साथ कानून कदमताल नहीं मिला पाता है। यह भले ही क्षणिक सत्य लगे, लेकिन अगर हम अतीत में झांककर देखें तो पता चलता है कि कानून और तकनीक का विकास साथ-साथ हुआ है।

वर्चुअल हियरिंग की तकनीक ने हमारे संचार और काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। आपदा की अवधि में अदालती सुनवाई में आ रही अड़चनों का सामना करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने वर्चुअल हियरिंग की शुरुआत की। इसमें महिला वकीलों को कोर्ट आने की बाध्यता से मुक्ति मिली जिससे वो कोर्ट ड्यूटी के साथ-साथ आसानी से घरेलू कामकाज निपटाने का दायित्व पूरा कर पा रही हैं। देश के प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कानून और तकनीक के बीच हमेशा आपसी संवाद कायम रहता है और दोनों एक-दूसरे को आगे बढ़ाते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि तकनीकी विकास ने हमारी बातचीत और काम करने के तरीके को बिल्कुल बदल दिया है। देश में कोविड महामारी के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने वर्चुअल सुनवाई के दौर में प्रवेश किया। यह उनके अनुसार कम्यूनिकेश के नए रूप का एक उदाहरण है, जो हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। सीजेआई ने कहा कि वर्चुअल हियरिंग की सुविधा के कारण वकील दिल्ली से बाहर रहकर भी सुप्रीम कोर्ट में बहस कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की विभिन्न अदालतों में अब तक 4.30 करोड़ सुनवाई हो चुकी है। इन करोड़ों उदाहरणों में पता चला है कि कैसे वर्चुअल हियरिंग ने महिला वकीलों को कितनी मदद पहुंचाई है। चूंकि महिला होने के नाते उनसे घर के कामकाज करने की भी उम्मीद रहती है, इस वजह से उन्हें कोर्ट आने में परेशानी होती है। कुल मिलाकर, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वर्चुअल हियरिंग की व्यवस्था से साबित होता है कि तकनीकी विकास और कानून के बीच संवाद होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की वर्चुअल हियरिंग में भाग लेने वाली महिला वकीलों को मिल रही राहत का भी उदाहरण दिया।

> वर्चुअल हियरिंग की तकनीक ने हमारे संचार और काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। आपदा की अवधि में अदालती सुनवाई में आ रही अड़चनों का सामना करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने वर्चुअल हियरिंग की शुरुआत की। इसमें महिला वकीलों को कोर्ट आने की बाध्यता से मुक्ति मिली जिससे वो कोर्ट ड्यूटी के साथ-साथ आसानी से घरेलू कामकाज निपटाने का दायित्व पूरा कर पा रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आदित्य मिशन से खुलेंगे संभावनाओं के द्वार

शशांक द्विवेदी

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो के वैज्ञानिक अब सन मिशन की तैयारी कर रहे हैं। सूर्य कोरोना का अध्ययन एवं धरती पर इलेक्ट्रॉनिक संचार में व्यवधान पैदा करने वाली सौर-लपटों की जानकारी हासिल करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्दी ही आदित्य-1 उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। इसरो के लिए 2023 अंतरग्रहीय मिशन का साल कहा जा सकता है। इसरो अगस्त के अंत में सौर वातावरण का अध्ययन करने के लिए ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) रॉकेट पर अपना कोरोनोग्राफी उपग्रह आदित्य एल1 भेजेगा। इसरो के अनुसार, अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के पहले लैग्रेंज पॉइंट (एल1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। एल1 बिंदु के आसपास उपग्रह बिना किसी बाधा के लगातार सूर्य को देख सकेगा।

दरअसल, सूर्य के केंद्र से पृथ्वी के केंद्र तक एक सरल रेखा खींचने पर जहां सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल बराबर होते हैं, वह लैग्रेंज बिंदु कहलाता है। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी की तुलना में काफी अधिक है इसलिए अगर कोई वस्तु इस रेखा के बीचोबीच रखी जाए तो वह सूर्य के गुरुत्वाकर्षण से उसमें समा जाएगी। लैग्रेंज बिंदु पर सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल समान रूप से लगने से दोनों का प्रभाव बराबर हो जाता है। इस स्थिति में वस्तु को न तो सूर्य अपनी ओर खींच पाएगा, न पृथ्वी अपनी ओर खींच सकेगी और वस्तु अधर में लटकी रहेगी। लैग्रेंज बिंदु को एल-1, एल-2, एल-3, एल-4 और एल-5 से निरूपित किया जाता है। इसरो एल-1 लैग्रेंज बिंदु के आसपास आदित्य-1 को स्थापित करना चाहता है। आदित्य-1 उपग्रह सूर्य के सबसे भारी भाग का अध्ययन करेगा। इससे कॉस्मिक किरणों, सौर आंधी और विकिरण के अध्ययन में मदद मिलेगी। अभी तक वैज्ञानिक सूर्य के कोरोना का अध्ययन केवल सूर्यग्रहण के समय में ही कर पाते थे।

इस मिशन की मदद से सौर हवाओं के अध्ययन में जानकारी मिलेगी कि ये किस तरह से धरती पर इलेक्ट्रिक प्रणालियों और संचार नेटवर्क पर असर डालती हैं। इससे सूर्य के कोरोना से धरती के भू-चुम्बकीय क्षेत्र में होने वाले बदलावों के बारे में घटनाओं को समझा जा सकेगा। इस सोलर मिशन की मदद से तीव्र और मानव निर्मित उपग्रहों और

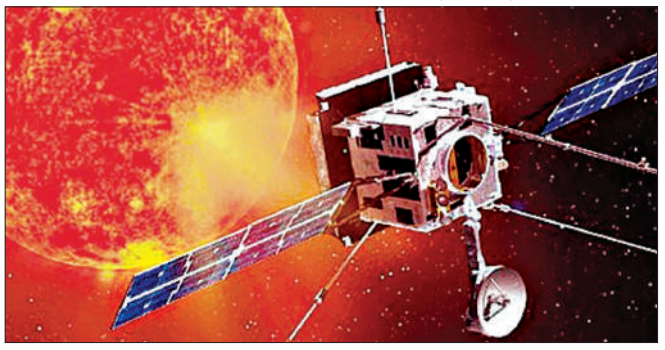

अन्तरिक्षयानों को बचाने के उपायों के बारे में पता लगाया जा सकेगा। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अनुसार वह इसरो के अगले इंटरप्लेनेटरी मिशन- सौर मिशन आदित्य एल1 के लिए ट्रैकिंग सहायता प्रदान करेगी। आदित्य-एल1 का नाम सूर्य देवता और अंतरिक्ष यान के भविष्य के घर के नाम पर रखा गया है। वहीं एल1 पृथ्वी-सूर्य प्रणाली का पहला लैग्रेंज बिंदु है। आदित्य-1 देश का पहला सौर कोरोनोग्राफ उपग्रह होगा। यह उपग्रह सौर कोरोना के अत्यधिक गर्म होने, सौर हवाओं की गति बढ़ने तथा कोरोनल मास इंजेक्शंस (सीएमईएस) से जुड़ी भौतिक प्रक्रियाओं को समझने में मदद करेगा। यह उपग्रह सौर लपटों के कारण धरती के मौसम पर पड़ने वाले प्रभावों और इलेक्ट्रॉनिक संचार में पड़ने वाली बाधाओं का भी अध्ययन करेगा। आदित्य-1 से प्राप्त आंकड़ों और अध्ययनों से इसरो भविष्य में सौर लपटों से अपने उपग्रहों की रक्षा कर सकेगा। इसरो ने इसके लिए कुछ उपकरणों का चयन भी किया है जो आदित्य-1 के पे-लोड होंगे। इनमें 'विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ (वीईएलसी)', सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलिस्कोप, प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज, आदित्य सोलर विंड एक्सपेरिमेंट, सोलर एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर और हाई एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर शामिल हैं। सूर्य के बारे में अभी हमारी जानकारियां आधी-अधूरी हैं। सूर्य के बारे में बहुत कुछ जानना बाकी है। अभी सोलर कोर्निया के बारे में वैज्ञानिक ज्यादा नहीं जानते हैं, ज्वालाएं कब आएंगी, इसका हमें आइडिया भी नहीं है।

आदित्य सूर्य के कोरोना की गर्मी और उससे होने वाले उत्सर्जन के रहस्य को भी सुलझाने में मदद करेगा। सूर्य कोरोना का टेंपरेचर लाखों डिग्री है। पृथ्वी से कोरोना सिर्फ पूर्ण सूर्यग्रहण के दौरान ही दिखाई देता है। यह भारतीय वैज्ञानिकों की इस तरह की पहली कोशिश होगी। कोरोना के अध्ययन से सोलर एक्टिविटी कंडीशंस के बारे में अहम जानकारियां मिल सकेंगी। इसरो के इस सन मिशन से सूर्य की सतह और सूर्य के आसपास हो रही गतिविधियों और सौर विस्फोटकों के बारे में जान सकेंगे। अब तक हम धरती से अलग-अलग स्थानों से 12-12 घंटे ही सूर्य पर होने वाली ग्रहीय गतिविधियों का अध्ययन कर पाते थे।

गल्फ में चीनी सक्रियता की काट खोजें

पुष्परंजन

सऊदी अरब और चीन के बीच व्यापार को जितना सहज हम मानते रहे, क्या जमीन पर वास्तव में वैसा ही है? बात ऊर्जा व्यापार में उभयपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है। एक पक्ष को खजूर तक चीन में बेचना है, दूसरा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर अधोसंरचना में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है। इसमें जब कारोबारी झोल पैदा होते हैं, सवाल उठने लगते हैं। इस महीने उत्तर-पश्चिमी चीनी प्रांत गांसू का शहर लांचोऊ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला लगा है। सऊदी अरब से यहां आये कारोबारी, बहुत उत्साहित नहीं हो पाये। उमर अल राफाई सऊदी अरब में खजूर के बड़े निर्यातक हैं। रियाद से साढ़े पांच हजार किलोमीटर दूर लांचोऊ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में यह सोचकर आये कि उन्हें चीनी आयातक खूब सारा आर्डर करेंगे। 2019 में भी राफाई चीन आये थे, और खाली हाथ लौट गये। सऊदी-चीन समझौते के बाद लगे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व निवेश मेले में राफाई को संभावना नजर आई, लेकिन जो ठंडापन यहां दिखा, उससे निराशा हाथ लगी है। उमर अल राफाई ने बताया कि हमारा देश डेट्स (खजूर) इतना पैदा करता है कि पूरी दुनिया खाये, तो भी कम न पड़े। चीन हम यह सोचकर आते हैं कि विशाल आबादी वाला यह देश शायद बड़ी मात्रा में खजूर आर्डर करे।

सऊदी प्रेस एजेंसी 'एसपीए' के मुताबिक, 'खजूर की 300 से अधिक किस्में इस देश की मुख्य पैदावार में शामिल हैं। तीन करो? 30 लाख खजूर के पेड़ों से 1.54 मिलियन टन खजूर का उत्पादन साल भर में होता है।' सऊदी अरब के पर्यावरण, जल व कृषि मंत्रालय के डाटा बताते हैं कि खजूर के निर्यात से यह देश 324 मिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। 2030 तक इसे दोगुना करने का लक्ष्य है। चीन से व्यापारिक समझौते में जिन एजेंडों को सेट किया गया था, उसमें खजूर निर्यात भी शामिल है। लेकिन खजूर के निर्यात में भी गला काट प्रतिस्पर्धा है। मिस्र सबसे बड़ा खजूर उत्पादक देश है, दूसरे नंबर पर सऊदी अरब, तीसरे स्थान पर ईरान, अल्जीरिया चौथे, व इराक पांचवें नंबर पर आता है। ये पांचों देश विश्वभर में कुल खजूर उत्पादन का 68 प्रतिशत पैदा करते हैं।

चीन के लांचोऊ में पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व निवेश मेले में सऊदी अरब अतिथि देश था। चीन ने को-होस्ट देश के रूप में थाईलैंड को शामिल किया था। सच यह है कि यहां आये उमर अल राफाई जैसे एक्सपोर्टर उतना मायने नहीं रखते। महत्वपूर्ण, सऊदी अरब का टॉप ऑयल एक्सपोर्टर 'आर्मको' है, जिसने चीन में 7 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। चीन की विवादास्पद कंपनी हुआवेई और अलीबाबा क्लाउड इनके लिए अहम हैं, जिसे सऊदी अरब में पंख फैलाने का अवसर मिल रहा है। 7 दिसंबर, 2022 को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग रियाद पधारे थे। यह पहला चाइना-अरब स्टेट समिट था, साथ में गल्फ कॉपरेरेशन कौंसिल (जीसीसी) की भी शिखर बैठक थी। 25 मई, 1981 को बने 'जीसीसी' में सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, ओमान, कतर और कुवैत जैसे छह सदस्य देश हैं। इन देशों ने अपने नागरिक व व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने के वास्ते इस फोरम की स्थापना की, मगर चीन से व्यापार के मामले को गहराई से समझें तो लगता है कि सऊदी अरब अपने 'अपर हैंड' को आगे रखने लगा है। शी की उस विजिट में 50 अरब डॉलर के उभयपक्षीय निवेश का अहद किया गया था। इसके प्रकारांतर जून, 2023 में अरब-चाइना व्यापार सम्मेलन रियाद में आहूत हुआ, जिसमें टेक्नोलॉजी, अक्षय ऊर्जा, कृषि, रीयल इस्टेट, खनिज, लॉजिस्टिक, पर्यटन व हेल्थ केयर के क्षेत्र में 10 अरब डॉलर की डील पर हस्ताक्षर हुए। सालेह अली खब्ती सऊदी अरब के उप-निवेश मंत्री हैं। खब्ती व्यापार में अवरोध वाली खबर को खुलकर स्वीकार नहीं करते। बल्कि उनका मानना है कि सबकुछ स्मूथ चल रहा है। 'लांचोऊ व्यापार मेले में हमने चीन के सुदूर इलाकों में भी व्यापार की संभावनाएं तलाश ली हैं। हमने टेक्नोलॉजी, अक्षय ऊर्जा, अधोसंरचना विकास और खनन पर जोर दिया है। हमें चीनी उद्यमियों की सक्सेस स्टोरी को समझना है, जिस कौशल का वो इस्तेमाल करते हैं, उनसे यह गुर सीखना है।'

एक बात तो माननी पड़ेगी कि 2001 के बाद तेल के टैंकरों की बढ़ती गई आवाजाही की वजह से चीन, सऊदी अरब का वृहदाकार व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। खजूर का एक आम एक्सपोर्टर चाहे जितना दुखी हो, लेकिन 2022 में दोनों देशों के बीच उभयपक्षीय व्यापार 106 अरब डॉलर पार कर चुका था। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबिल 30 प्रतिशत की वृद्धि बताई गई है। यानी, चीनी कारोबार पर अमेरिकी प्रतिबंध का रास्ता शी ने उन देशों में ढूंढ़ा, जो अमेरिकी क्लब के देश बताये जाते हैं। सऊदी अरब से बढ़ते कारोबार का साइड इफेक्ट शिन्चियांग के मानवाधिकार आंदोलनों पर पड़ा है। ध्यान से देखिये, तो अब उईगुर आबादी को सताये जाने की खबरों से न तो सऊदी मीडिया का कोई सरोकार है, और न ही गल्फ कॉपरेरेशन कौंसिल (जीसीसी) के देशों को उससे कोई लेना-देना है। फिलस्तीन मिलाकर 57 सदस्यीय मुसलमान देशों का संगठन 'ओआईसी' तक उईगुरों के साथ हो रही मनमानी से मुंह फेर चुका है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण चीन और सऊदी अरब के बीच बढ़ रही नजदीकियां हैं। चीन ने 'एकै साधे सब सधै' की थ्योरी पर गंभीरता से काम किया है। यों 2016 में चीन-सऊदी अरब ने 'कंप्रेहेंसिव पार्टनरशिप' पर हस्ताक्षर किये थे।

शरीर फौलादी व दिमाग आइंस्टीन से भी तेज बना देगा

चिलगोजा

चिलगोजा जिसे पाइन नट्स भी कहते हैं। काजू-बादाम की तरह यह हर घर में नहीं पाए जाते क्योंकि यह बेहद मंहगे होते है। यह ताकतवर मेवा एक फल का बीज है, जो भूरे रंग का होता है। यह बीज सफेद रंग के लंबे आकार के होते हैं।

नट्स यानी सूखे मेवों को सुपरफूड का दर्जा मिला है। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें दुनियाभर के पोषक तत्व समाए होते हैं। काजू, पिस्ता, बादाम, किशमिश, अखरोट और अंजीर आदि में विटमिन, प्रोटीन, मिनर, मैग्नेशियम, कॉपर, फॉलिक ऐसिड, बी-कॉम्प्लेक्स, जिंक आदि की भरपूर मात्रा पाई जाती है। लेकिन इनसे भी ज्यादा फायदेमंद है चिलगोजा जिसे पाइन नट्स भी कहते हैं। काजू-बादाम की तरह यह हर घर में नहीं पाए जाते क्योंकि यह बेहद मंहगे होते है। यह ताकतवर मेवा एक फल का बीज है, जो भूरे रंग का होता है। यह बीज सफेद रंग के लंबे आकार के होते हैं। आप इन नट्स का सेवन भूनकर स्नैक, स्मूदी या सैलेड में डालकर कर सकते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज, मोटापा, कोलेट्रॉल आदि की बीमारी नहीं होगी। इसके साथ ही यह हमारे दिमाग को भी मजबूत बनाता है। इसके तेल का भी इस्तेमाल सैलेड की ड्रेसिंग में भी किया जा सकता है। यहां जानते हैं कि यह मेवा अन्य मेवों से कितना फायदेमंद है।

ब्रेन को देगा ताकत

पाइन नट्स में दिमाग को तेज करने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो डिमेंशिया और अवसादग्रस्त लक्षणों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। पाइन नट्स में प्रति औंस 31.4 मिलीग्राम ओमेगा 3 होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, महिलाओं को 1.1 ग्राम और पुरुषों को 1.6 ग्राम ओमेगा 3 का दैनिक सेवन करना चाहिए।

ब्लड शुगर करेगा कम

एनिमन स्टडी से पता चला है कि पाइन नट के अर्क का यदि सेवन किया जाए, तो शुगर लेवल में गिरावट आती है। यदि आप कार्ब युक्त भोजन को छोड़कर असंतृप्त वसा जैसे कि पाइन नट का सेवन करेंगे तो ब्लड शुगर लेवल पर अच्छा प्रभाव दिखेगा। इसके अलावा 28 ग्राम पाइन नट्स आपको रोजाना का 109 प्रतिशत मैंगनीज प्रदान करता है, जो मधुमेह के कम जोखिम से जुड़ा हुआ है। पोस्ट-प्रांडियल ब्लड शुगर लेवल भोजन के बाद किसी व्यक्ति के शुगर लेवल को दर्शाता है।

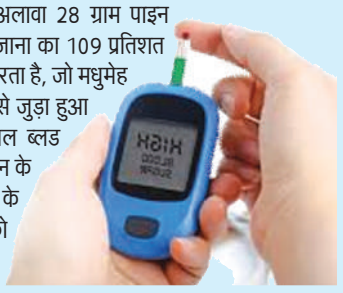

वजन करेगा मेंटेन

पाइन नट्स में पाए जाने वाले फैटी एसिड को वेट मैनेंजमेंट से भी जोड़ा गया है। इसमें प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स मौजूद हैं, जो पेट को लंबे समय तक भरे रखते हैं। भले ही नट्स में हाई कैलोरी समाई रहती है, लेकिन इन्हें खाने से आपका वजन बिल्कुल भी नहीं बढ़ाने वाला। वजन घटाने के दौरान तेजी से वजन न घटे इसका ख्याल रखना चाहिए ताकि कैलोरी बर्न होने की दर में गिरावट न आए। एक्सपर्ट के मुताबिक जब वजन घट रहा हो तो सप्ताह में 300 ग्राम से लेकर 800 ग्राम तक ही हो।

दिल की बीमारी से बचाएगा

खराब कोलेस्ट्रॉल और हाई एलडीएल हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकता है। लेकिन पाइन नट में पिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यदि शरीर में कोलेट्रॉल का लेवल मेंटेन रहेगा, तो आपको कभी भी दिल से जुड़ी बीमारी नहीं होगी।

ये लोग न करें इसका सेवन

हालांकि पाइन नट के सेवन से किसी को कोई खास दिक्कत नहीं होती, मगर कुछ लोगों को अगर सूखे मेवों से एलर्जी है, तो वे पाइन नट्स का सेवन न करें। इसके सेवन से पाइन माउथ सिंड्रोम का अनुभव हो सकता है। इसमें इंसान के जीभ और होंठ पर जलन का अहसास होने लगता है और कई बार अधिक प्यास के साथ मुंह सूखने का भी अनुभव होता है।

हंसना मना है

गप्पू की छत टपक रखी थी ठीक डाइनिंग टेबल के ऊपर। प्लम्बर ने पूछा- आपको कब पता चला कि छत टपक रही है? शराबी- जब कल रात को मेरा पैग 3 घंटे तक खत्म नहीं हुआ।

अध्यापक ने एक छात्र से पूछा-बताओ, शाहजहां कौन था? छात्र-जी, वह एक मजदूर था। अध्यापक-कैसे? छात्र - आपने ही तो कहा था कि शाहजहां ने कई इमारतों का निर्माण किया था।

मालिक ने अपने नौकर से कहा- मैं मार्केट जा रहा हूं, तुम दुकान का ध्यान रखना, अगर कोई ऑर्डर दे तो उसे अच्छे से पूरा करना। कुछ देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा-कोई ऑर्डर आया? नौकर ने कहा-जी हां, आया था, उसने ऑर्डर दिया कि दोनों हाथ ऊपर करके कोने में खड़े हो जाओ। मैंने ऑर्डर मान लिया और वह पैसे की तिजोरी उठाकर चला गया।

पत्नी-तुम कल पड़ोसन के साथ फिल्म देखने गए थे? पति - हां, क्या करूं? तुम तो जानती हो कि आजकल परिवार के साथ देखने लायक फिल्में बनती कहां हैं?

कहानी | लकड़ी का कटोरा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु- बेटे के यहां शहर रहने गया। उम्र के इस पड़ाव पर वह अत्यंत कमजोर हो चुका था, उसके हाथ कांपते थे और दिखाई भी कम देता था। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ डिनर टेबल पर खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। कभी मटर के दाने उसकी चम्मच से निकल कर फर्श पे बिखर जाते तो कभी हांथ से दूध छलक कर मेजपोश पर गिर जाता। बहु-बेटे एक-दो दिन ये सब सहन करते रहे पर अब उन्हें अपने पिता की इस काम से चिढ होने लगी। हमें इनका कुछ करना पड़ेगा, लड़के ने कहा। बहु ने भी हां में हां मिलाई और बोली, आखिर कब तक हम इनकी वजह से अपने खाने का मजा किरकिरा करते रहेंगे, और हम इस तरह चीजों का नुक्सान होते हुए भी नहीं देख सकते। अगले दिन जब खाने का वक़्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के कोने में लगा दिया, अब बूढ़े पिता को वही अकेले बैठ कर अपना भोजन करना था। यहां तक कि उनके खाने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था, ताकि अब और बर्तन ना टूट-फूट सकें। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाते और जब कभी -कभार उस बुजुर्ग की तरफ देखते तो उनकी आंखों में आंसू दिखाई देते। यह देखकर भी बहु-बेटे का मन नहीं पिघलता,वो उनकी छोटी से छोटी गलती पर ढेरों बातें सुना देते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता -पिता ने ज़मीन पर बैठ कर कुछ करते हुए देखा, तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया- अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें। और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता -पिता पर बहुत गहरा असर हुआ, उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आंखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक कर सकता है। सेहत का ध्यान रखिए। करियर को लेकर सोच-विचार में रहेंगे।

वृषभ

आज आपको मिश्रित परिणाम मिलेंगे। आपके कार्यस्थल पर उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आप प्रतिद्वंद्वी गतिविधियों से परेशान हो सकते हैं।

मिथुन

आज आपको काम में मित्र का समर्थन मिल सकता है।लोग आपकी मदद करने के लिए हर तरह से तैयार रहेंगे। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है।

कर्क

मित्रों और संबंधियों की खबर से आनंदित होंगे। पुराने अधूरे काम भी आप पूरा कर सकते हैं। आपको बड़े भाई या पिता का सहयोग भी मिल सकता है।

सिंह

व्यावसायिक सन्दर्भ में नए उद्यम की शुरुवात हो सकती है या एक नए सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भविष्य में यह अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकता है।

कन्या

अपने विचार दूसरों के सामने जाहिर करने और दूसरों को अपने विचारों से सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। आपकी मीटिंग सफल रहेगी।

तुला

तुला राशि वाले किसी भी निर्णय से पहले भली-भांति विचार कर लें। क्योंकि आपकी जल्दबाजी का लाभ विरोधी उठा सकते हैं। धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक

आप अपने संपर्कों के कारण व्यापारिक एव व्यावसायिक सन्दर्भ में आज महत्वपूर्ण निर्णय ले सकतें हैं। आप अपने प्रयासों में चौतरफा सफलता प्राप्त करेंगे।

धनु

आज दिन फेवरेबल रहेगा। आपके सभी काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। आपके सकारात्मक विचार की तारीफ होगी।

मकर

आपको स्त्रीवर्ग से लाभ होगा। मकान-वाहन प्राप्ति के अच्छे योग हैं। प्रिय व्यक्ति का साथ प्राप्त कर सकेंगे। घर परिवार के मामले में धन खर्च हो सकता है।

कुम्भ

नौकरीपेशा जातक आज काम का अधिक बोझ महसूस कर सकते हैं। व्यापारी एव व्यवसायी वर्ग अपने कदम विश्वास के साथ आगे बढ़ाएं, किन्तु आक्रामकता से बचें।

मीन

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है।आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल हो सकते हैं।

ड्रीम गर्ल बनकर आयुष्मान ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

ड्रीम गर्ल-2 की एक झलक भर पाने के लिए लोगों का उत्साह तेज होता जा रहा है। और ऐसा हो भी क्यों न आखिर ड्रीम गर्ल पूजा के दीवानों की लिस्ट इंडस्ट्री के सभी बड़े सुपरस्टार्स से भरी जो पड़ी है, जिसमें लेटेस्ट एंट्री रॉकी की हुई है। हालांकि ड्रीम गर्ल की प्रेम कहानी की हालिया झलक में भी जब उनके सुंदर मुखड़े का दीदार नही हुआ, तो लोगों की बेकरारी का लेवल और बढ़ गया। पर अब लगता है कि ड्रीम गर्ल की झलक देखने का ड्रीम पूरा होने को आया है फिल्म के एक नए और दिलचस्प पोस्टर के साथ।

ड्रीम गर्ल-2 का पोस्टर जारी

बॉलीवुड | मसाला

इस लुक को आयुष्मान ने अपने सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल पर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ये पोस्टर पहले से ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें आयुष्मान खुराना को एक आकर्षक नए अवतार में दिखाया गया है। वाइब्रेंट पर्दे के पीछे से बाहर निकलते ही दर्शकों को केवल उनका चेहरा ही दिखाई देता है।

फिल्म करेगी हंसाने का काम

जो चीज वास्तव में हर किसी का ध्यान खींचती है वह है आयुष्मान के किरदार पूजा का उल्लेखनीय ट्रांसफॉर्मेशन, जो फेमिनिन लुक में कमाल लगती है, जिससे फैन्स को अगली कड़ी की कहानी की दिशा के बारे में उत्सुकता होती है। करम के रूप में पूजा की परछाई पर्दे से झांकती है जो लोगों को खिलखिलाने और हंसाने का काम करती है। ऐसे में सभी बड़े पर्दे पर इस कम्पिलीट एंटरटेनमेंट को एंजॉय करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते!

25 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म

ड्रीम गर्ल 2 एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और प्रतिभाशाली राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित हैं। ये फिल्म 25 अगस्त 2023 को रिलीज होगी। तो अब इंतजार किस बात का है अपने कैलेंडर में इस डेट को मार्क कीजिए और प्यार, हंसी और सरप्राइजेज से भरी एक रोलरकोस्टर राइड पर जाने के लिए सुपर रेडी रहिए।

बॉलीवुड | वादा-खिलाफी

विवेक ओबेरॉय के साथ 1.55 करोड़ रुपये की हुई धोखाधड़ी

विवेक ओबेरॉय को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, कहा जा रहा है कि एक्टर के साथ कथित तौर पर तीन लोगों ने 1.55 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। अब विवेक ने इस मामले की जानकारी पुलिस को दे दी है और एफआईआर दर्ज करवा दी गई है। वहीं, अब मामले की जांच भी शुरू हो चुकी है । कहा जा रहा है कि आरोपियों ने एक कार्यक्रम और फिल्म निर्माण कंपनी में निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिलने का वादा कर विवेक से निवेश करने को कहा, लेकिन रकम का उपयोग खुद के लिए किया। इस बात की जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को मीडिया को दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला बुधवार को प्रकाश में आया, जब विवेक ओबेरॉय के CA ने 3 लोगों के खिलाफ अंधेरी पूर्व के MICD थाने में शिकायत दायर की। शिकायत के मुताबिक, एक फिल्म निर्माता सहित 3 आरोपी, विवेक के कारोबारी साझेदार थे और आरोपियों ने विवेक ओबेरॉय से एक कार्यक्रम एवं फिल्म निर्माण कंपनी में रुपये निवेश करने के लिए कहा था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभिनेता ने परियोजना में 1.55 करोड़ रुपये का निवेश किया, लेकिन आरोपियों ने निवेश की गई रकम का उपयोग अपने लिए किया। अधिकारी ने आगे बताया कि विवेक की पत्नी भी कंपनी में साझेदार हैं। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी), 419 (धोखा देने के लिए किसी अन्य की पहचान का इस्तेमाल करना), 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 (साझा इरादा रखने) के तहत एक FIR दर्ज की गई है।

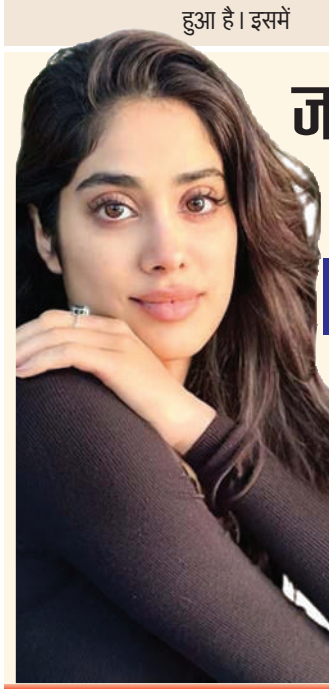

जाह्नवी कपूर ने मल्टीकलर ड्रेस में लगाया बोल्डनेस का तड़का

जाह्नवी कपूर बी टाउन की स्टाइलिश और ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। जाह्नवी कपूर का स्टाइलिश लुक अक्सर इंटरनेट पर वायरल रहता है। जाह्नवी के फैंस उनके स्टनिंग और बोल्ड अंदाज को काफी पसंद करते हैं। एक बार फिर जाह्नवी कपूर अपने बोल्ड अवतार से कहर ढा रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है।

बॉलीवुड | हंगामा

जाह्नवी कपूर हाल ही में वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आई हैं। फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं जाह्नवी कपूर के लेटेस्ट लुक की बात करें तो मल्टी कलर ड्रेस में जाह्नवी कपूर बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है। लाइट मेकअप और खुले बालों में एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें हाल में जाह्नवी कपूर जल्द ही फिल्म बवाल में नजर आई हैं। फिल्म में वह पहली बार वरुण धवन के साथ नजर आई हैं। इसके अलावा वह मिस्टर एंड मिसेज माही फिल्म में भी नजर आएंगी ।

सोशल मीडिया पर रहती हैं एक्टिव

जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और स्टनिंग फोटो से भरा हुआ है। जाह्नवी कपूर अक्सर इंस्टाग्राम पर अपना ग्लैमरस लुक शेयर कर लाखों फैंस को हैरान कर देती हैं।

इस शख्स के पास आज भी मौजूद हैं नवाबों के वक्त के गहने

लखनऊ। लखनऊ के आखिरी नवाब वाजिद अली शाह के शासन के बाद यहां अंग्रेजों का शासन हुआ। इसके बाद फिर कभी लखनऊ में कोई नवाब नहीं आया, लेकिन नवाबों का वक्त ऐसा था जब लखनऊ में खूब पैसा हुआ करता था। नवाबों के पास बेहिसाब दौलत थी, जिससे उन्होंने लखनऊ को सजाया और संवारा था। आज भी लखनऊ में कई ऐसे लोग हैं जिनके पास नवाबों के वक्त का सामान मौजूद है इन्हीं लोगों में एक थे नवाब मीर अब्दुल्ला जिनका निधन हो गया। इसी बीच लखनऊ में एक व्यापारी हैं जिनका नाम है विनोद माहेश्वरी। इनके पास नवाबों के वक्त के तीन अहम गहने हैं जो आज के वक्त में किसी के पास देखने के लिए नहीं मिलेंगे। व्यापारी का कहना है कि इन गहनों को उन्होंने कभी भी किसी को नहीं दिखाया, लेकिन लोकल18 को दिखाने से वह खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने बताया कि उनके पूर्वजों ने उन्हें नवाबों के वक्त के तीन गहने सौंपे थे। वर्तमान में ज्यादातर तो खराब हो गए हैं, लेकिन हाथों में पहनने वाले दो ब्रेसलेट और गले में पहनने वाला एक हार उनके पास सही सलामत बचा हुआ है। विनोद माहेश्वरी के पास मौजूद ये गहने देखने में जितने खूबसूरत हैं, उससे भी कई गुना इनका वजन है। यही नहीं इन पर बेहद सुंदर आकृतियां बनाई गई हैं। खासतौर पर गले का जो हार यहां पर मौजूद है, उसे उसे नवाबों के वक्त पर बेगमें पहनती थीं। इसमें मटर के आकार के चांदी की मोतियां लगी हुई हैं, जबकि उसका पेंडेंट पूरा चांदी का है। यही नहीं विनोद महेश्वरी बताते हैं कि उनके पास कई बार लोग आए और इन्हें खरीदने का मन बनाया, लेकिन उन्होंने इन गहनों को बेचा नहीं। वह कहते हैं कि अगर आज की डेट पर इन गहनों को बेचा जाए तो इनकी कीमत लाखों में है। विनोद महेश्वरी के पास दो मोटे ब्रेसलेट भी मौजूद हैं, जिसे नवाबों के वक्त में बेगमों के साथ ही अवध के नवाब भी पहनना पसंद करते थे। इन गहनों का भी वजन अधिक है। ये देखने में बेहद खूबसूरत हैं और आज के जमाने में ऐसे खूबसूरत गहने देखने के लिए कहीं पर भी नहीं मिलेंगे, इसलिए विनोद माहेश्वरी ने बताया कि वह इन गहनों को किसी को भी नहीं बेचेंगे और पूर्वजों की दी गई है निशानी हमेशा अपने पास रखेंगे।

अजब-गजब | 1969 में पेरिस से ये पोस्टकार्ड गया था जो 2023 में अमेरिका पहुंचा

53 साल बाद पते पर पहुंचा पोस्टकार्ड

अभी इंटरनेट का दौर चल रहा है, ऐसे में अब लोग मोबाइल से या इंटरनेट के अन्य माध्यमों से एक दूसरे के संपर्क में रहते हैं और मैसेज भेजते हैं। वहीं इससे पहले दूर बैठे लोगों से संचार का सबसे प्रमुख माध्यम चिट्ठी और पोस्टकार्ड हुआ करते थे। लोग अपनी बात अपनों तक पहुंचाने के लिए पत्र या पोस्टकार्ड भेजा करते थे। हालांकि इसमें कई बार ऐसा होता था कि सामने वाले को चिट्ठी या पोस्टकार्ड समय पर नहीं मिल पाता था। पोस्ट आफिस अपनी लेट-लतीफी के लिए बदनाम था। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब लोगों को काफी देर से चिट्ठी और पोस्टकार्ड मिले। अब एक ऐसा ही मामला सामने आया है।

एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला को एक पत्र मिला है जो उसे 1969 में भेजा गया था। 53 साल पहले भेजा गया पत्र पोस्टमैन ने अब डिलीवर किया है। महिला ने जब ये पत्र देखा तो 53 साल पुराना पोस्टकार्ड देखकर हैरान रह गई, जिसके बाद उसने वो पोस्टकार्ड सोशल मीडिया पर शेयर किया। फेसबुक यूजर पोर्टलैंड की रहने वाली जेसिका मीन्स को ये पोस्टकार्ड मिला जो उस पते पर रह रही थी लेकिन वो पत्र मिस्टर और मिसेज रेने ए गगनन के नाम भेजा गया था। महिला ने पोस्टकार्ड मिलने

के बाद उसे असली मालिक तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी। इसमें महिला ने लिखा, इस रहस्य को सुलझाने में मेरी मदद करें! हो सकता है कि आपको या आपके किसी जानने वाले को गैगनन्स याद हो या उसके पास कोई सुराग हो कि 2023 में तल्हासी से इसे किसने भेजा होगा! यह पोस्टकार्ड आज आया, इस पोस्टकार्ड पर पता मिस्टर एंड मिसेज रेने गगनन या वर्तमान निवासी लिखा गया था। इसे मूल रूप से 15 मार्च, 1969 को पेरिस से पोस्ट किया गया था। हालांकि इसे अपने गंतव्य तक पहुंचने में 54 साल लग गए। इस पर ताल्हासी, फ्लोरिडा का पता लिखा है और 12 जुलाई 2023 का नया पोस्टमार्क है। 1969 को पेरिस से पोस्टमार्क किया गया था हालांकि, इसे अपने गंतव्य तक पहुंचने में 53 साल लग गए!

2023 की लगी थी मुहर

53 साल पहले भेजे गए पोस्टकार्ड पर 12 जुलाई, 2023 का टालहासी, फ्लोरिडा का नया पोस्टमार्क लगा हुआ है। महिला ने लिखा उन्होंने लिखा इसमें जानबूझ कर पूर्व या वर्तमान निवासी के नाम पर एड्रेस करते हुए भेजा गया और नया डाक टिकट जानबूझकर लगाया गया था, तो यह पेरिस से टालहासी से मेन तक कैसे पहुंचा?

ये लिखा था पोस्टकार्ड में

महिला ने बताया कि पोस्टकार्ड पर ताजा मोहर और 12 जुलाई, 2023 की तारीख अंकित थी। पेरिस से भेजा गया ये पोस्टकार्ड उसको 53 साल बाद मिला है। 1969 में पेरिस से ये पोस्टकार्ड गया था जो 2023 में अमेरिका पहुंचा। महिला ने पोस्टकार्ड का कंटेंट फेसबुक पर शेयर किया जिसमें लिखा है, प्रिय लोगों जब तक आप इसे प्राप्त करेंगे, तब तक मैं घर आ चुका होगा, लेकिन इसे टूर एफिल जहां मैं अभी हूं, वहां से इसे भेजना अच्छा लग रहा है। मुझे ये जगह देखने का ज्यादा मौका तो नहीं लेकिन मजा आ रहा है।

बीरेन सिंह के सीएम रहते मणिपुर में नहीं होगी शांति: कांग्रेस

पार्टी ने की पीएम मोदी से मामले में कार्रवाई करने की मांग

राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से हो चुकी ध्वस्त: जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर से देश को शर्मसार करने वाला महिलाओं का नग्न वीडियो सामने आने के बाद से पूरे देश आक्रोश में है। मणिपुर में लगभग पिछले ढाई महीनों से हिंसा व प्रदर्शन जारी है। लेकिन राज्य सरकार इसको काबू करने में पूरी तरह से फेल है। मणिपुर के हालातों को लेकर कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष लगातार राज्य और देश की सरकार पर हमलावर है। इस बीच अब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए कहा कि हर गुजरते दिन के साथ जैसे-जैसे मणिपुर की भयावहता की सच्चाई सामने आ रही है, यह स्पष्ट है कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। भीड़ और विद्रोही समूह बेलगाम हो रहे हैं। महिलाओं और परिवारों को सबसे खराब, अकल्पनीय अत्याचारों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन न केवल हिंसा में सहभागी है, बल्कि सक्रिय रूप से नफरत को बढ़ावा दे रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि राज्य का सामाजिक ताना-बाना नष्ट हो गया है और समुदायों के बीच विश्वास पूरी तरह समाप्त हो गया है। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया कि जब तक बीरेन सिंह मुख्यमंत्री रहेंगे, तब तक कोई न्याय नहीं होगा और न ही चीजें शांति की दिशा में आगे बढ़ेंगी। प्रधानमंत्री के लिए कदम उठाने का समय बहुत पहले चला गया है। उन्हें अब कार्रवाई करनी चाहिए और मणिपुर में तथाकथित डबल-इंजन शासन के पूरी तरह से विफल होने को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने, चीजों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और आक्षेप लगाने में लिप्त होने की बजाय अब कार्रवाई करनी चाहिए।

कांग्रेस ने ये दावा किया है कि जब तक एन बीरेन सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री बने रहेंगे, तब तक राज्य में चीजें शांति की दिशा में आगे नहीं बढ़ेंगी।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे पूर्वोत्तर राज्य में 'तथाकथित डबल-इंजन शासन की विफलता' पर पर्दा डालने की बजाय अब कार्रवाई करें। विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से यह हमला मीडिया में आई उस खबर के बाद किया गया जिसमें दावा किया गया है कि 15 मई को मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में अपहरण, मारपीट और सामूहिक बलात्कार की पीड़िता 18 वर्षीय युवती ने 21 जुलाई को पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद 'जीरो प्राथमिकी' दर्ज की गई।

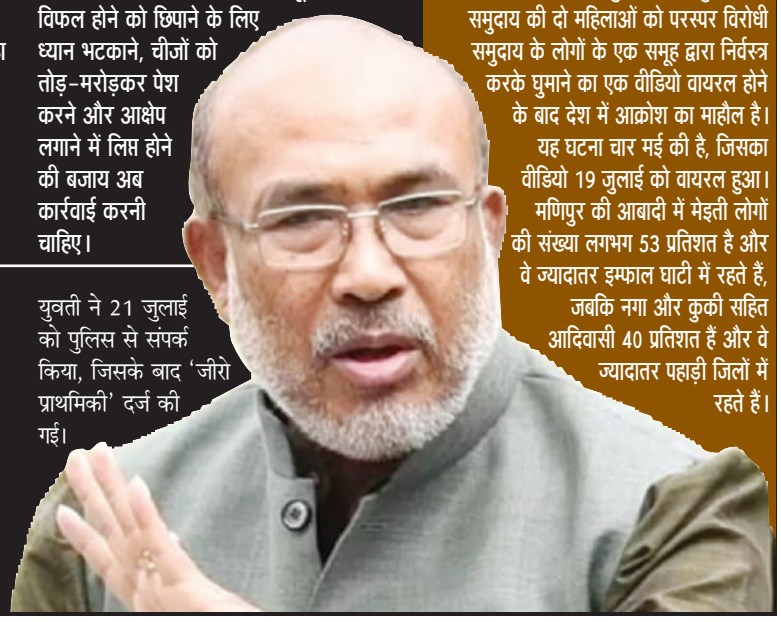

मणिपुर में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की जा चुकी है जान

गौरतलब है कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की बहुसंख्यक मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर में एक समुदाय की दो महिलाओं को परस्पर विरोधी समुदाय के लोगों के एक समूह द्वारा निर्वस्त्र करके घुमाने का एक वीडियो वायरल होने के बाद देश में आक्रोश का माहौल है। यह घटना चार मई की है, जिसका वीडियो 19 जुलाई को वायरल हुआ। मणिपुर की आबादी में मेइती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि नगा और कुकी सहित आदिवासी 40 प्रतिशत हैं और वे ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

महाराजा बिजली पासी राजकीय पीजी कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार वृक्षारोपण अभियान 2023-24 के अंतर्गत राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में नीम, तुलसी, गुड़हल, जामुन, गोल्डमोहर, सागौन, बाटलब्रश एवं विभिन्न औषधीय पौधे रोपित किए गए।

कॉलेज स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने लगाए पौधे

वृक्षारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सुमन गुप्ता द्वारा आंवला का पौधा लगाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, रोवर्स-रेंजर्स, एनसीसी, एनएसएस के छात्र-छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम में बड़े ही उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में एक-एक पौधा रोपित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण जागरुकता रैली निकाली तथा सड़क चलते लोगों एवं बिजली पासी ग्रामवासियों को पौधों के महत्व एवं बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने में पौधों की उपयोगिता के बारे में जागरुक भी किया।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे सॉफ्टवेयर ने जिंदगी को बना दिया आसान: चीफ जस्टिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और चैट जीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर ने जिंदगी को आसान बना दिया है। आज इन सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल चुटकुले बनाने से लेकर कोडिंग और यहां तक की कानूनी विषयों को लिखने के लिए भी हो रहा है। उन्होंने आईआईटी मद्रास के 60वें दीक्षांत समारोह में टक्नोलॉजी और सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर यह बात कही।

सीजेआई ने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) ऐसा शब्द है जो हर किसी की जुबान पर है। इसके माध्यम से कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की क्षमता बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ ही चैट जीपीटी साफ्टवेयर का उपयोग भी बढ़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट में भी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के लिए पायलट आधार पर एआई का उपयोग किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि जब हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि साइंस और टेक्नोलॉजी किस प्रकार से मानव विकास में मदद कर सकते हैं।

किसानों की योजनाओं के नाम पर हो रहा घोटाला: उदेन्दु प्रताप

» किसान नेता ने कहा- किसानों को नहीं मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पूर्वांचल प्रदेश प्रभारी कुंवर उदेन्दु प्रताप उर्फ आशू चौधरी ने किसानों को योजनाओं का लाभ न मिलने का मुद्दा उठाया। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार लंबे समय से किसानों की आय दोगुना करने का सपना पूरा करना चाहती है। ताकि किसानों के जीवन स्तर को सुधारा जा सके। इसके लिए बीते समय में रकार समय-समय पर कई योजनाएं किसानों के हित के लिए लेकर आई, लेकिन उन योजनाओं का संपूर्ण लाभ किसानों को नहीं मिल पाता है। किसानों को सरकार से बहुत उम्मीदें हैं लेकिन सरकार के प्रयास के बावजूद भी कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की वजह से किसान आज भी दम तोड़ रहे हैं।

किसान नेता ने कहा कि अभी पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार ने कई योजनाएं किसानों को लेकर

अनुदान के रूप में चलाई और उसके लिए 545 करोड़ रुपए आवंटित किए जो सरकारी पोर्टल कोषवाणी पर प्रदर्शित है और इसमें व्यय 423 करोड़ का दिखाया गया। शेष 122 करोड़ की धनराशि का कोई लेखा-जोखा नहीं है, जो सरासर घोटाला है। इस घोटाले में कृषि विभाग व वित्त विभाग के कुछ अधिकारी लिप्त हैं। यह 122 करोड़ का घोटाला महज एक वित्तीय वर्ष का है हर वर्ष किसानों के हित में सरकारी योजनाओं का लाभ इन बिचौलियों के कारण नहीं मिल पाता। जबकि शासनादेश है अनुदान की राशि सीधे किसान के खाते में ट्रांसफर की जाएगी। यह मुद्दा कृषि विभाग में हुए 122 करोड़ घोटाले का नहीं बल्कि मुख्यमंत्री योगी के जीरो टॉलरेंस को मुंह दिखाते हुए 75 जिलों के उन गरीब किसानों का मुद्दा है, जो दो वक्त की रोटी के लिए दिन रात संघर्ष करते हैं।

रफ्तार का कहर: नहर में कार के गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

इलाज के लिए एटा लेकर जा रहा था परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में सुबह-सुबह बड़ा हादसा हो गया। एक कार बेबर बैराज नहर में गिर गई, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू के बाद शवों को बाहर निकाला।

बताया गया कि कासगंज जिले के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गांव अंडुआ निवासी कुछ लोग महिला का इलाज कराने के लिए एटा लेकर आ रहे थे, तभी काली नदी का पुल पार करने के बाद तीव्र मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर बेबर बैरज नहर में गिर गई। सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस व राहगीरों की सहायता से गाड़ी में फंसे लोगों को निकाला गया। सभी को तत्काल ही एटा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों के नाम विनीता पत्नी नीरज, तेजेंद्र पुत्र जमुना प्रसाद, संतोष पुत्र तेजेंद्र, शिवम पुत्र राकेश और नीरज पुत्र जोधा सिंह बताए गए हैं। पांचों मृतक एक ही परिवार के सदस्य हैं।

यमुना एक्सप्रेस वे पर बस में लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री

आगरा। आगरा के थाना एत्मादपुर के कुबेरपुर अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस वे पर सुबह एक टूरिस्ट बस में आग लग गई। आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में यात्रियों को नीचे उतारा गया। बस में रखा सामान जल गया है। टूरिस्ट बस दिल्ली से बिहार जा रही थी। बस दिल्ली से बिहार जा रही थी। 45 यात्रियों को लेकर जा रही प्राइवेट बस में सुबह नौ बजे अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण इंजन का प्रेशर पाइप फटना बताया जा रहा है। अचानक बस में आग लगने से यात्रियों में चीख पुकार मच गई। चालक ने बस को रोककर सभी यात्रियों को सकुशल बाहर निकाल दिया। तत्काल ही पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। फायर बिग्रेड ने पहुंच कर बस में लगी आग पर काबू पाया। जिसके बाद यात्रियों को दूसरी बस से भेजने का इंतजाम किया गया।

ज्ञानवापी मामला : एएसआई के सर्वे पर 26 जुलाई तक 'सुप्रीम' रोक

सर्वोच्च अदालत ने कहा- मस्जिद में नहीं होनी चाहिए तोड़फोड़

मुस्लिम पक्ष ने की थी समय की मांग

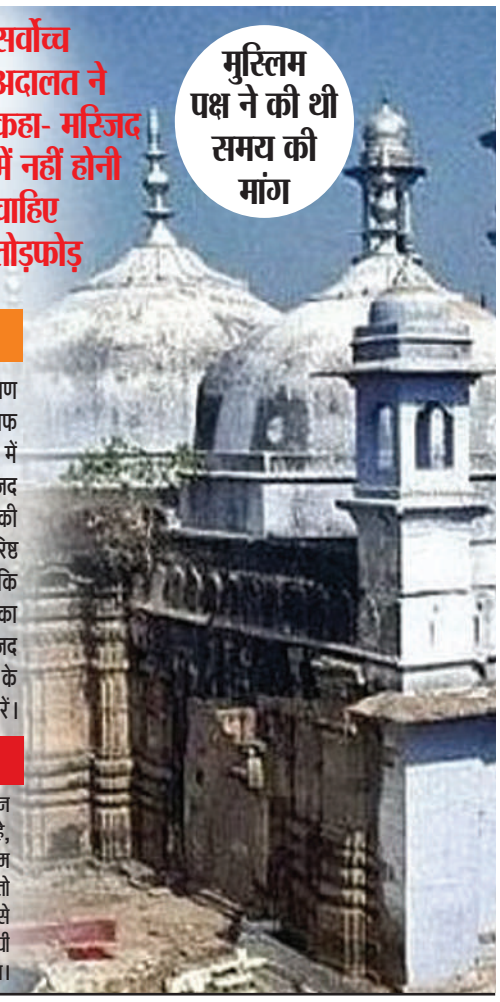

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वाराणसी के ज्ञानवापी मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई के सर्वे पर 26 जुलाई शाम पांच बजे तक रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मस्जिद में कोई तोड़फोड़ नहीं होनी चाहिए। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एएसआई के आज के सर्वे के दौरान कोई तोड़फोड़ नहीं की गई है और न ही इसकी कोई योजना है। अभी सिर्फ सर्वे में मस्जिद की नपाई का काम किया जा रहा है।

वहीं मुस्लिम पक्ष ने सर्वे के काम को दो-तीन दिन टालने की मांग की है। ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन देखने वाली अंजुमन कमेटी ने काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण के लिए वाराणसी जिला अदालत के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश दिया।

हमें सुनवाई का मौका नहीं मिला : अंजुमन कमेटी

अंजुमन कमेटी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील हुजैफा अहमदी ने बेंच से कहा कि शुक्रवार को सर्वे का आदेश दिया गया। हमें अपील का मौका नहीं मिला और सर्वे शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि आदेश में खुदाई लिखा है तो हमें अपील का मौका मिलना चाहिए। सीजेआई ने सवाल किया कि सर्वे के दौरान खुदाई होगी तो यूपी सरकार के वकील तुषार मेहता ने बताया कि सर्वे आधुनिक तकनीक से होगा। इसमें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। हिंदू पक्ष की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने भी बताया कि सर्वे में खुदाई नहीं होगी।

हाईकोर्ट में अपील करने का निर्देश

बता दें कि ज्ञानवापी में सोमवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) ने सर्वे किया। एएसआई के सर्वे के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में ज्ञानवापी मस्जिद मैनेजमेंट कमेटी, अंजुमन इंतजामिया मस्जिद ने वाराणसी की जिला अदालत के फैसले पर रोक लगाने की मांग की है। अंजुमन इंतजामिया मस्जिद की तरफ से वरिष्ठ वकील हुजैफा अहमदी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। बता दें कि वाराणसी की जिला अदालत ने ही ज्ञानवापी का सर्वे करने का आदेश दिया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद मैनेजमेंट कमेटी से कहा है कि वह वाराणसी जिला अदालत के फैसले पर रोक के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील करें।

मुस्लिम पक्ष ने यथास्थिति बरकरार रखने की मांग की

मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि एएसआई सर्वे सोमवार को शुरु हुआ है और हमारी अपील है कि इसे दो-तीन दिन तक टाल दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि एएसआई द्वारा कोई खुदाई या तोड़फोड़ नहीं की जा रही है, ऐसे में मस्जिद में प्रार्थना कैसे प्रभावित हो सकती है? इस पर मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी मस्जिद में मिली शिवलिंग जैसी संरचना की कार्बन डेटिंग पर भी रोक लगा दी थी तो अब सर्वे की क्या जल्दी है। यह जगह 1500 के दशक से एक मस्जिद रही है। अहमदी ने सुप्रीम कोर्ट से यथास्थिति बरकरार रखने की मांग की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 26 जुलाई यानी बुधवार तक ज्ञानवापी परिसर के सर्वे पर रोक लगा दी और यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया।

आप नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता व पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट ने आज राहत देते हुए अंतरिम जमानत दे दी है। सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत याचिका पर आज सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जैन को अंतरिम जमानत देने का फैसला लिया।

गौरतलब है कि इस केस में पिछली सुनवाई 10 जुलाई को हुई थी, जिसमें कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की जमानत 24 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी थी। जैन के वकील एएम सिंघवी ने कोर्ट से कहा था कि 3 अस्पतालों ने जैन को सर्जरी की सलाह दी है, इसलिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इस बीच 21 जुलाई को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई थी। ये जानकारी अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर दी थी। उन्होंने जैन के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना भी की थी।

इससे पहले मई में मिली थी 42 दिनों की जमानत

इसके पहले 26 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कंडीशन के आधार पर जैन को 6 हफ्ते की जमानत दी थी। 11 जुलाई को उनकी जमानत का आखिरी दिन था। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि जैन प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा सकते हैं, लेकिन किसी भी गवाह को प्रभावित नहीं करेंगे। न ही दिल्ली के बाहर जाएंगे। जो भी इलाज करवा रहे हैं, उसकी रिपोर्ट 10 जुलाई तक पेश करें।

मणिपुर मामले पर मायावती ने सरकार और विपक्ष दोनों के रवैये पर उठाए सवाल

» कहा- राजनीति करने की बजाय मिलकर ढूंढा जाए समस्या का हल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मणिपुर हिंसा मामले को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र और राज्य की सरकार पर हमलावर है। विपक्षी दल लगातार इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहे हैं। इस बीच बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर से मणिपुर मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्ष दोनों के रवैये पर सवाल उठाते हुए हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि इस मुद्दे पर एक-दूसरे को नीचा दिखाने के बजाय समस्या का हल ढूंढा जाए।

मणिपुर में दो महिलाओं के साथ किए बर्बर रवैये को लेकर मायावती लगातार सवाल उठा रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर दोनों पक्षों को राजनीति न करने की सलाह दी है। मायवाती ने कहा कि मणिपुर के हालात लगातार गंभीर व चिन्ताजक बने रहने के कारण इसका दुष्प्रभाव व पलायन पड़ोसी राज्यों पर भी पड़ना स्वाभाविक है। जिसको लेकर संसद में चर्चा नहीं हो पाने से स्थिति विषम है। शांति की बहाली, लोगों की सुरक्षा व उनके जख्मों पर मरहम लगाकर क्षेत्र मंय जनजीवन सामान्य बनाना जरूरी है।

समस्या का हल ढूंढने का करें सामूहिक प्रयास

मायावती ने आगे कहा कि मणिपुर पर चर्चा पर सहमति के बावजूद संसद के चालू सत्र के पहले दो दिन का समय नियम विवाद को लेकर बर्बाद हो जाना दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार-विपक्ष आरोप-प्रत्यारोप व एक-दूसरे को नीचा दिखाने के बजाय समस्या का हल ढूंढने का सामूहिक प्रयास करें। मणिपुर पर चर्चा व सरकारी वक्तव्य जरूरी है।

विपक्ष संसद में पीएम के जवाब देने की कर रहा मांग

बता दें कि मणिपुर मामले पर विपक्षी दलों का गठबंधन बीजेपी को जमकर घेर रहा है। विपक्ष लगातार इसी बात पर अड़ा है कि जब तक मणिपुर में हुई हिंसा की चर्चा संसद में नहीं होती और खुद प्रधानमंत्री सदन में आकर जवाब नहीं देते हैं तब तक सदन में और कोई काम नहीं होना चाहिए। वहीं सरकार की तरफ से साफ कर दिया गया है कि वो चर्चा के लिए तैयार है। सरकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के साथ मणिपुर मुद्दे पर चर्चा कराने पर सहमत है। विपक्ष मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के इस्तीफे और वहां राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग कर रहा है।

सपा-कांग्रेस समेत कई दलों के नेता हुए भाजपाई

बीजेपी प्रदेश मुख्यालय पर हुआ सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम, प्रदेश अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में शामिल हुए नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले नेताओं की एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाने की कूद-फांद लगातार जारी है। इसी क्रम में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सबसे बड़े सियासी राज्य उत्तर प्रदेश में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। एक ओर जहां भाजपा को 24 में रोकने के लिए विपक्षी दल एकजुट होने में लगे हैं, जिसके अंतर्गत I.N.D.I.A की स्थापना की गई है।

इंडिया के जरिए विपक्ष भाजपा के विरुद्ध एक बड़ा संगठन खड़ा करने में जुटा है। इस बीच विपक्ष को आज एक बड़ा झटका लगा है। आज प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सपा, आरएलडी, कांग्रेस व बसपा समेत कई दलों के नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। सबसे बड़ी बता है कि इसमें पूर्व मंत्रियों समेत कई नामी चेहरे भी शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित किया गया।

शामिल होने वाले नेताओं में जानकारी के मुताबिक आरएलडी नेता राजपाल सैनी, पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी भाजपा के सदस्य बने हैं। इसके अलावा जौनपुर के सपा नेता जगदीश सोनकर, सपा नेता सुषमा पटेल, पूर्व विधायक अंशुल वर्मा, जौनपुर के पूर्व विधायक गुलाब सरोज, कांग्रेस से बनारस मेयर प्रत्याशी शालिनी यादव भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। इसके अतिरिक्त बसपा के कई नेता भी इस सूची में शामिल हैं।

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।